

مانیہ و رشی کائشی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی

۶۱۹ / راندرابھون، اشوک مارگ، لکھنؤ

مورخ: ۲۰۱۴ / ۸ / ۱۸۶

نیم سرکاری خط نمبر : ۱۰ / ۴۹ / یو۔ اے۔ ایف۔ یو۔ ۱۸۶

محترم / محترمہ

مورخہ ۲۸ جولائی ۲۰۱۴ء کوڈ اکٹر رام منوہر لوہیا نیشنل لائیونیورسٹی، لکھنؤ، کے کمیٹی روم میں
مانیہ و رشی کائشی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ، کی اکیڈمک کاؤنسل کی پہلی میئنگ
جناب انس انصاری، واوس چانسلر کی صدارت میں ۱۱ بجے صحیح منعقد ہوئی۔ میئنگ کی کارروائی
آپ کو اطلاع اور ضروری اقدام کے لئے پیش ہے۔

آپ کا

مسلسل: میئنگ کی کارروائی

(ولی کشور گپتا)

رجسٹر

خدمت

فہرست مسلک

**خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ
خواجہ مسیح نور دین چشتی عربی - اردو - فارسی وی�واوی**

**एकेडमिक काउन्सिल की दूसरी
मीटिंग की कार्रवाई**

तारीख 17 अक्टूबर 2012

वक्त — 11:00 बजे

स्थान — (मीटिंग हॉल)

डा० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, लखनऊ

**خواجہ مسیح نور دین چشتی عربی - اردو - فارسی ویشواوی
سیتاپور - ہردوئے روڈ باری پاس، لखنऊ - 206022**

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

युनिवर्सिटी की एकेडमिक काउन्सिल की दूसरी मीटिंग तारीख 17.10.2012 में मुअज्जिज़ ज
मेम्बरान की मौजूदगी

मकाम: मीटिंग हॉल, डा० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।

क्र. सं.	नाम / पता	पदनाम	मोबाइल नं०	हस्ताक्षर
1	वाइस चांसलर, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदर		
2	प्रो० सुश्री शहनाज़ नबी, विभागाध्यक्ष उर्दू, कोलकाता यूनिवर्सिटी, कोलकाता-73।	मेम्बर		
3	प्रो० असलम इस्लाही, अध्यक्ष सेन्टर फॉर अरेबिक स्टडीज़, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।	मेम्बर	9510297167	
4	प्रो० मो० गफ्फार सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष फारसी, पटना यूनिवर्सिटी, पटना।	मेम्बर	9334038064 M.D. Gaffar	
5	प्रो० अब्दुल बिस्मिल्लाह, विभागाध्यक्ष हिन्दी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।	मेम्बर	09811306331	
6	प्रो० रेणु भारद्वाज, निदेशक कम्प्रेटिव लिटरेचर, स्कूल ऑफ ह्यूमनिटीज़, इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली।	मेम्बर	9911160909 R. Ray	
7	प्रो० मुजम्मिल हुसैन, प्रोफेसर अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।	मेम्बर		
8	प्रो० ऐ०क० सिंह, निदेशक गिरी इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, अलीगंज, लखनऊ।	मेम्बर	9615101585 A.S. S	
9	प्रो० अहमद रज़ा खान, डीन इतिहास, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली।	मेम्बर		
10	प्रो० बलराज चौहान, कुलपति डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।	मेम्बर		
11	प्रो० देवी सिंह, डायरेक्टर इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आई.आई.एम.), लखनऊ।	मेम्बर		
12	प्रो० उबैद सिद्दीकी, डायरेक्टर अब्दुल जमाल किदवई सेंटर फॉर मॉस कम्यूनिकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली।	मेम्बर		
13	प्रो० अनीस अहमद अंसारी, यूनानी पद्धति, तिब्बिया कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।	मेम्बर	9117448608	
14	प्रो० शफीका परवीन, निदेशक डिस्ट्रेस एजूकेशन विभाग, कश्मीर यूनिवर्सिटी, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर)।	मेम्बर		
15	प्रो० मुहम्मद जाहिद, विभागाध्यक्ष उर्दू, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।	मेम्बर		
	कुलसचिव, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सचिव	9615359366	
	वित्त अधिकारी, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।	विशेष आमंत्री		D. Ray

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी—फारसी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

एकेडेमिक काउन्सिल की दूसरी मीटिंग तारीख 17.10.2012 की कार्रवाई

नं०	शुमार	एजेण्डा प्लाइन्ट	पैज नं०
1		मीटिंग में शमिल होने वाले मुअज्जिज़ मेम्बरान की फेहरिस्त	2
2	2.1	तारीख 28 जुलाई 2011 को डा० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, लखनऊ के मीटिंग हॉल में हुई एकेडेमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग में लिए गए फैसलों की तस्वीक (पुष्टि)।	3
3	2.2	तारीख 28.07.2011 को एकेडेमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग में लिये गये फैसलों पर की गई कार्रवाई।	4
4	2.3	एकेडेमिक काउन्सिल के मुअज्जिज़ मेम्बरान (मा० सदस्यों) के ज़रिए दिए गए मशवरों पर की गई कार्रवाई।	6—9
5	2.4	उ०प्र० हुकूमत के ज़रिए य०पी० की सभी युनिवर्सिटियों के लिए यकसा तयशुदा निसाबे तालीम को लागू किए जाने के मुताल्लिक मंजूरी।	10
6	2.5	तालीमी साल 2012—13 शुरू किए जाने के मुताल्लिक मंजूरी।	11
7	2.6	युनिवर्सिटी एक्ट 1973 के मुताबिक सदर शोअबा को मैम्बर की हैसियत से नामज़द किया जाना।	12
8	2.7	एम०बी०ए० में दाखिला के लिए युनिवर्सिटी के ज़रिए मुनअकिद टेस्ट की बुनियाद पर दाखिला करना।	13
9	2.8	डिग्री सतह की पढ़ाई के वक्त उर्दू अरबी या फारसी में से किसी एक जबान को पढ़ाना, लाज़मी करने की तजीज़।	14
10	2.9	तदरीसी व गैर तदरीसी अमले में उर्दू अरबी या फारसी और कम्प्यूटर की अमली जानकारी रखने वाले उम्मीदवारों को तरजीह देना और तालीम व इस्तिहान के वसीले के मुताल्लिक तजीज़।	15
11	2.10	हुकूमत के ज़रिये तदरीसी और गैर तदरीसी असामियों की भर्ती के मुताल्लिक इत्तिला और असातिज़ह के ओहदों के इन्तिख़ाबी अमल की तफ़सील मुहैया कराना।	16
12	2.11	यूनिवर्सिटी का नाम तब्दील करने के मुताल्लिक इत्तिला।	17
13	2.12	एकजीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग तारीख 21 सितम्बर 2012 में लिए गए दर्जजेल फैसलों से एकेडेमिक काउन्सिल को मुत्तला करना।	18
14	2.13	दीगर नुकात सदरे मोहतरम की इजाजत से।	19

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ की एकेडमिक काउन्सिल की दूसरी मीटिंग, तारीख 17 अक्टूबर 2012 को डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, लखनऊ में सुबह 11:00 बजे मा० कुलपति की अध्यक्षता में मुनअकिद हुई मीटिंग में शमिल होने वाले मुअज्जिज़ मेम्बरान की फ़ेहरिस्त मुन्दरजा जेल है-

१-	डॉ० अनीस अंसारी	कुलपति, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदर
२-	प्रो० असलम इस्लाही	सदर, शोबा अरबी, जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी, नई दिल्ली	मेम्बर
३-	प्रो० गफ़्फार सिद्दीकी	सदर, शोबा फारसी, पटना युनिवर्सिटी, पटना	मेम्बर
४-	प्रो० अब्दुल विस्मिल्लाह	सदर, शोबा हिन्दी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	मेम्बर
५-	प्रो० रेनु भारद्वाज	डायरेक्टर, कम्परेटिव लिटरेचर, इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन, युनिवर्सिटी, नई दिल्ली	मेम्बर
६-	प्रो० ए०के० सिंह	डायरेक्टर, गिरि इंस्टीट्युट ऑफ डेवलपमेन्ट स्टडीज़, लखनऊ	मेम्बर
७-	प्रो० अनीस अहमद अंसारी	शोबा इन्मुल अदविया, अजमल खान तिब्बिया कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी, अलीगढ़	मेम्बर
८-	जनाब अशोक कुमार	रजिस्ट्रार, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	मेम्बर सेक्रेट्री
९-	जनाब एस०सी० संगल	वित्त अधिकारी, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	-
१०-	डा० जी०आर० यादव	ओ०एस०डी०, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	-

कुलपति, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ ने एकेडमिक काउन्सिल के सभी मुअज्जिज़ मेम्बरान का इस्तकबाल किया और युनिवर्सिटी के तरकिक़याती कामों से बाख़बर किया और मुअज्जिज़ मेम्बरान ने युनिवर्सिटी के तामीरी कामों का मुआयना किया और उसकी तारीफ़ की।

2.1 तारीख 28 जुलाई 2011 को डा० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, लखनऊ के मीटिंग हॉल में हुई एकेडेमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग में लिए गए फैसलों की तस्दीक (पुष्टि) -

★ तारीख 28 जुलाई 2011 की पहली मीटिंग की कार्रवाई की मुआजिज़ज मेम्बरान ने तस्दीक की। इस के अलावा मेम्बरान ने शुक्रिया अदा किया कि पिछली कार्रवाई बहुत अच्छी तरह दर्ज की गई है।

~~✓~~ ✓

2.2 तारीख 28.07.2011 को एकेडमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग में लिये गये फैसलों पर की गई कार्रवाई:-

फैसला	कार्रवाई
1. वाइस चांसलर ने अपने खत मोरखा 5 जनवरी 2011 में मुहकमा आला तालीम, हुक्मत उ0प्र0, से दरखास्त की थी कि फिलहाल मुन्दरजाजेल 13 डिपार्टमेंट शुरू करने के लिये तकरीबन 205 लेक्चरर, रीडर, प्रोफेसर के ओहदे मन्जूर किये जायें। इसी के मुताबिक एकेडमिक काउन्सिल तजवीज करती है कि मुन्दरजाजेल 13 डिपार्टमेंट शुरू करने के लिये हुक्मत उ0प्र0 के ज़रिये 205 लेक्चरर, रीडर और प्रोफेसर के ओहदे मन्जूर किये जायें :—	हुक्मत के खत न0-1477 / सत्तर-4-2012-3 (47) / 2010 तारीख 24 अगस्त 2012 के जरिए असातिज़ह (शिक्षकों) की 74 असामियां मंजूर की गई हैं, जिनमें उर्दू, अरबी, फारसी, हिन्दी, अंग्रेजी, होमसाइंस, जुगराफिया (भौगोल), सियासियात (राजनीति-शास्त्र), मआशियात (अर्थशास्त्र), तारीख (इतिहास), फिजिकल एजुकेशन, कामर्स (वाणिज्य), मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलज़िम (जनसंचार और पत्रकारिता) और कम्प्यूटर अप्लीकेशन में डिग्री कोर्सेज के अलावा बी0एड0 और एम0बी0ए0 के लिए ओहदे मंजूर किये गये हैं।
1. बी0ए0 (उर्दू, अरबी, फारसी, हिन्दी, अंग्रेजी, होम साइंस, जुगराफिया, पॉलिटिकल साइंस, इक्नॉमिक्स, हिस्ट्री और फिजिकल एजूकेशन)	हुक्मनामे के मुताबिक फिलहाल पहले तालीमी साल में 50 फीसद यानी प्रोफेसर के 5 (उर्दू, अरबी, फारसी, कामर्स और एम0ए0), एसोसिएट प्रोफेसर के 10 (उर्दू, हिन्दी, अंग्रेजी, जुगराफिया, सियासियात, कामर्स, बी0एड0, एम0बी0ए0 और मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलज़िम) और असिस्टेन्ट प्रोफेसर के 22 (उर्दू, अरबी, फारसी, होम साइंस, जुगराफिया, मआशियात, इतिहास, फिजिकल एजुकेशन, कामर्स, बी0एड0, एम0बी0ए0, एम0सी0जे0 और कम्प्यूटर अप्लीकेशन) ओहदों पर भर्ती का अमल शुरू कर दिया गया है।
2. बी0 कॉम0	★ एकेडमिक काउन्सिल को मुत्तला किया गया।
3. बैचलर इन कम्प्यूटर अप्लीकेशन	★ मुख्तलिफ हिन्दुस्तानी ज़बानों का तकाबुली मुताला (तुलनात्मक अध्ययन), उर्दू अरबी और फारसी में इन्टरप्रेटर और ट्रांसलेटर वगैरह के कोर्सेज जल्दी चलाने की कर्रवाई की जाएगी और हस्ब ज़रूरत हुक्मत यू0पी0 से मज़ीद ओहदों की मंजूरी के लिये गुजारिश की जाएगी।
4. कानून (3 साल और 5 साल कोर्स)	
5. बी0एड0	
6. मुख्तलिफ हिन्दुस्तानी ज़बानों का तकाबुली मुताला (3 साला कोर्स जिसमें उर्दू, अरबी, फारसी, कश्मीरी, पंजाबी, सिन्धी, हिन्दी, संस्कृत, मल्यालम, बंगाली, मराठी और तमिल शामिल हैं।	
7. उर्दू अरबी और फारसी में इन्टरप्रेटर और मुतरजिज्म के दो साला डिप्लोमा कोर्स।	
8. एम0बी0ए0 (2 साला और 4 साला कोर्स)	
9. मॉस कम्यूनिकेशन और सहाफ़त।	
10. टूरिज्म और हॉस्पिटलिटी।	
11. यूनानी और आयुर्वेद में डिग्री।	
12. फासिलाती तालीम और ई-लर्निंग का डिपार्टमेंट।	
13. पेशावराना ट्रेनिंग और रिसर्च डिपार्टमेंट।	
2 यह कोशिश की जाये कि गैर लिसानी (गैर-भाषायी) कोर्सेज जैसे बी0कॉम, एम0बी0ए0, मॉस कम्यूनिकेशन, सहाफ़त और कानून वगैरह में भी तालिब इल्म की	एक्जीक्यूटिव काउन्सिल की पहली मीटिंग तारीख 19.08.2010 और दूसरी मीटिंग 21.09.2012 में फैसला लिया जा चुका है कि युनिवर्सिटी में दाखिले के वक्त तल्या/तालिबात को उर्दू

<p>पसन्द के मुताबिक उर्दू अरबी या फारसी की तालीम लाज़मी मज्मून के तौर पर दी जाये। इसी तरह दाखिले के वक्त हाई स्कूल सतह (स्तर) की उर्दू अरबी या फारसी की अमली तौर पर लियाकरत ज़रूरी करार दी जाये।</p>	<p>अरबी या फारसी की अमली जानकारी होना ज़रूरी है और साथ ही जिस कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं उसके साथ भी उर्दू अरबी अथवा फारसी का एक पर्चा पास करना ज़रूरी होगा जिसके मार्क्स नीति में जोड़े जाएंगे।</p>
<p>3. मुन्द्ररजा बाला (उपरोक्त) कोर्सेज़ के लिये मज़ामीन की नौइयत को ध्यान में रखते हुए स्लेबस हासिल किया गया है जिस पर मन्जूरी दी गई है। जिन कोर्सेज़ के स्लेबस अभी हासिल नहीं हुए हैं या जिन कोर्सेज़ के स्लेबस में मिश्वरान की राय को मद्दे नज़र रखते हुए तरमीम करने की ज़रूरत है उन पर आगे की कार्रवाई करने के लिये वाइस चांसलर को अधिक्षयार दिया गया।</p>	<p>★ एकेडमिक काउन्सिल ने भी मंजूरी दी। यूपी० हुकूमत के ज़रिये लिए गए फैसले के मुताबिक यू०पी० की तमाम युनिवर्सिटीयों में यकसाबे तालीम लागू करने का फैसला लिया गया है। एकज़ीक्यूटिव काउन्सिल ने तारीख 21.09.2012 की दूसरी मीटिंग में फैसला किया है कि जहाँ तक मुमिन हो इस युनिवर्सिटी में भी यकसा निसाबे तालीम लागू किये जाएंगे। लेकिन युनिवर्सिटी की मखसूस ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए कोर्स में तरमीम भी की जाए।</p>
<p>4. इस दरभियान हुकूमत उ०प्र० ने सूबाई युनिवर्सिटीयों के लिये कई मज़ामीन में कमतरीन मुश्तरक निसाब नाफिज़ करने की तजवीज भी मन्जूर की है। हुकूमत उ०प्र० का फैसला आ जाने पर एकेडमिक काउन्सिल को मुनासिब भौके पर मुत्तला किया जाये।</p>	<p>★ एकेडमिक काउन्सिल ने मंजूरी दी और निसाब तालीम में दौर हाजिर की ज़रूरतों को मद्दे नज़र रखते हुए तरमीम की आज़ादी पर ज़ोर दिया। ★ एकेडमिक काउन्सिल को मुत्तला किया गया।</p>
<p>5. जहाँ तक दाखिले और इम्तिहान के ज़ाब्तों (नियमों) का तअल्लुक है, फ़िलहाल लखनऊ युनिवर्सिटी में नाफिज़ दाखिले और इम्तिहान के ज़ाब्तों को इस युनिवर्सिटी में भी नाफिज़ किया जाये।</p>	<p>जहाँ तक मुमिन होगा पढ़ाई शुरू होने पर यह तजवीज नाफिज़ की जायेगी। ★ एकेडमिक काउन्सिल को मुत्तला किया गया।</p>
<p>6. जहाँ तक मुमिन हो सेमेस्टर सिस्टम के ज़रिये तालीम दी जाये।</p>	<p>तालीमी साल शुरू होने पर सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जाएगा। एकज़ीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग 21 सितम्बर 2012 में यही फैसला लिया गया है। ★ एकेडमिक काउन्सिल ने भी मंजूरी दी।</p>
<p>7. जहाँ तक मुमिन हो ऐसे कोर्सेज़ को तरजीह दी जाये जिनसे फ़ारिग हो कर तलबा और तालिबात मआशी (आर्थिक) तौर पर खुदकफील (आत्मनिर्भर) हो सकें।</p>	<p>बी०ए८०, मास कम्प्यूनिकेशन एण्ड जनलिज़म, बैचलर इन कम्प्यूटर अप्लिकेशन और कामर्स वगैरह कोर्सेज़ इसी साल से पढ़ाये जाने की तजवीज है। इन कोर्सेज़ के तलबा की माँग बढ़ी हुई है। आगे भी इस सिफारिश के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। ★ एकेडमिक काउन्सिल ने भी मंजूरी दी।</p>

2.3 एकेडेमिक काउन्सिल के मुअज्जिज मेम्बरान (मा० सदस्यों) के ज़रिए दिए गए मशवरों पर की गई कार्रवाई मुन्दरजा ज़ेल (निम्नवत) हैं-

(1) प्रो० मो० जाहिद के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफहा नं०-६ पर हैं-

मशवरा	कार्रवाई
1. मेम्बरों की आमद व रफत (आवागमन) और उनके क्याम के सिलसिले में वसाएल की कमी के बावजूद युनिवर्सिटी के मुन्तज़ीमीन ने जिस खुलूस और मुहब्बत के साथ काम किया है उसके लिये वह और वाइस चांसलर मुबारकबाद के लायक हैं।	शुक्रिया।
2. कुछ यूनिवर्सिटियों का स्लेबस हासिल किया गया है। यह कोशिश की जाये कि हिन्दुस्तान की दूसरी बहुत सी यूनिवर्सिटियों के स्लेबस भी हासिल किये जायें और उन्हें देख कर वाइस चांसलर सब से अच्छे स्लेबस को अपनी सतह पर मुन्तखब कर लें और मन्जूरी दें।	यू०पी० हुकूमत के ज़रिए रियासत की सभी यूनिवर्सिटियों में यकसां निसाबे तालीम लागू करने का फैसला लिया गया है। इसलिए इस यूनिवर्सिटी में भी यकसां निसाबे तालीम लागू करने का फैसला लिया गया है। जो मज़ामीन यकसां निसाबे तालीम में शामिल नहीं हैं उन मज़ामीन के लिए दूसरी यूनिवर्सिटियों का निसाबे तालीम लागू किया जाएगा।
3. स्लेबस जदीदतरीन होना चाहिये और उन कोर्सेज़ को तरजीह दी जाये जिनसे फारिग हो कर तलबा और तालिबात बारोज़गार हो सकें। इस सियाक में कम्प्यूटर, मॉस कम्प्यूनिकेशन, यूनानी और आयुर्वेदिक तरीक-ए-इलाज वगैरा को तरजीह दी जानी चाहिये।	★ एकेडेमिक काउन्सिल ने मंजूरी दी और निसाब तालीम में दौर हाज़िर की ज़रूरतों को मद्दे नज़र रखते हुए तरमीम की आज़ादी पर ज़ोर दिया।
4. यह अच्छा ख्याल है कि हिन्दुस्तानी ज़बानों का तकाबुली मुताला डिग्री कोर्स की शक्ल में पढ़ाने का इरादा है। उर्दू वालों को हिन्दुस्तान और बाहर की ज़बानों से रुशनाश कराना अच्छा होगा।	हुकूमत ने फ़िलहाल कम्प्यूटर अप्लीकेशन, मास कम्यनिकेशन एण्ड जर्नलिज्म और बी०एड० के कोर्सेज़ की मंजूरी दी है। यूनानी और आयूर्वेदिक तरीक-ए-इलाज के कोर्स चलाने के लिए हुकूमत से मंजूरी की गुजारिश की जा रही है।
5. स्लेबस के सिलसिले में यूनिवर्सिटी ग्रान्ट्स कमीशन की हिदायतें और करीकुलम डेवेलपमेन्ट रिपोर्ट को भी मददेनज़र रखा जाये।	नोट किया गया। इस सेशन से इसे नाफ़िज़ करने की तज़वीज़ है।
	मशवरे पर अमल किया जाएगा।

(2) प्रो० मो० प्रोफेसर मुहम्मद मुज़म्मिल के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफहा नं०-६ पर हैं-

मशवरा	कार्रवाई
1. मेरे ख्याल में जो निसाब रखा गया है वह काफ़ी अच्छा है। बकिया मज़ामीन का निसाब हम लखनऊ यूनिवर्सिटी से हासिल करके मुहैया करा देंगे।	यू०पी० हुकूमत के ज़रिए रियासत की सभी यूनिवर्सिटियों में यकसां निसाबे तालीम लागू करने का फैसला लिया गया है। जो मज़ामीन यकसां निसाबे तालीम में शामिल नहीं हैं उन मज़ामीन के

	विशेष लक्षण के पुनर्निर्मिती और दूसरी पुनर्निर्मिती का नियावे तात्पर्य तकरीबने के मुताबिक लागू किया जाएगा।
2. लखनऊ यूनिवर्सिटी का एक्सामिन्स का स्लेबस काफी अच्छा होता है इसे शामिल किया जाये।	नोट किया गया। इसमें से इसे लागू किया जाएगा।
3. वाइस चॉसलर को मजाज किया जाये कि वह स्लेबस में तरमीम और उसका इन्तिखाब अपनी सतह पर कर सके।	नोट किया गया। इसके मुताबिक कार्डगाई की जाएगी।
4. कोर्सेज को मरहलावार शुरू किया जाये जैसे बी०ए०, बी०ए८० वगैरह। कोर्सेज की तरजीहात तैयार कर ली जायें।	नोट किया गया। इसके मुताबिक लागू किया जा रहा है।

(3) प्रोफेसर असलम इस्लाही के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफ्हा नं०-६ और ७ पर हैं-

मशवरा	कार्वाई
1. मुजब्ज़ा कोर्सों के अलावा लाइब्रेरी साइंस के कोर्स को भी शामिल किया जाये तो बेहतर होगा। यह कोर्स मखतूतात (पांडुलिपियाँ) को महफूज़ करने के लिये अशद ज़रूरी है। हमारे जो मखतूतात ज़ाया हो रहे हैं उसको महफूज़ करने में इस कोर्स से मदद मिलेगी।	मुस्तकबिल में लाइब्रेरी साइंस कोर्स शुरू करने के लिए हुक्मत से गुज़ारिश की जाएगी।
2. दी जाने वाली तालीम की क्वालिटी पर ध्यान दिया जाये।	नोट किया गया। इसके मुताबिक लागू किया जाएगा।
3. एकेडमिक काउन्सिल की मीटिंग जल्दी जल्दी बुलाई जायें ताकि स्लेबस को जदीदतर बनाया जा सके।	नोट किया गया।
4. एकेडमिक सेशन जल्दी शुरू किया जाये।	नवम्बर 2012 से एकेडमिक सेशन शुरू करने की तज़वीज़ है।
5. ट्रांसलेशन और इन्टरप्रेटर के कोर्स बहुत मुफीद होते हैं उन्हें तरजीही तौर पर शुरू किया जाये।	नोट किया गया। इस सेशन से इसे लागू करने की कोशिश की जाएगी।
6. अरबी के ग्रेजुएट कोर्स में तीसरे साल में जदीद शायरों और मुसन्निफों जैसे ख़लील जिबरान और नजीब महफूज़ वगैरह को शामिल किया जाना चाहिये।	नोट किया गया।

(4) प्रोफेसर शहनाज़ नबी के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफ्हा नं०-७ पर हैं-

मशवरा	कार्वाई
1. निसाब में हर ज़बान में जदीद अदब को भी शामिल किया जाये। इस सियाक में कोलकाता यूनिवर्सिटी का उर्दू ज़बान का निसाब भी गौर से देख लिया जाये।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।

2. यह बड़ी इन्फिरादी हैसियत की युनिवर्सिटी बनाई गई है और इसे उ0प्रो के बाहर के तलवा और तालिबात के लिये भी मिसाती युनिवर्सिटी की हैसियत से तरक्की दी जानी चाहिये।	नोट किया गया। कांगिंग की जाएगी।
3. इन्टरप्रेटर और ट्रान्सलेटर के कोर्स बहुत अच्छे हैं। न सिर्फ हिन्दुस्तान की बल्कि बाहर की ज़बानों के तर्जुमे का भी इन्तिजाम किया जाना चाहिये।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।
4. प्रो0 असलम इस्लामी की मख़्तूतात की हिफाज़त के सिलसिले में दी गई राय से मुत्तफ़िक हूं इसके लिये कौमी मख़्तूतात मिशन से भी मदद ली जाये।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।

(5) प्रोफेसर शफ़ीका परवीन के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफ्हा नं0-7 पर हैं—

मशवरा	कार्वाई
1. हिन्दुस्तान की तीन बड़ी ज़बानों को हुक्मत उ0प्रो ने एक साथ फ़रोग देने की जो कोशिश की है वह मुबारकबाद के लायक है। खासतौर से ज़बानों के साथ साथ बारोज़गार बनाने वाले मज़ामीन को तरजीह देना बहुत अच्छी बात है।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।
2. उ0प्रो जैसी रियासत में उर्दू को फ़रोग दिया जाना चाहिये। इस सियाक में लखनऊ युनिवर्सिटी का निसाब मरकज़ी हैसियत रखता है। दूसरी युनिवर्सिटियों के स्लेबस को भी देखना चाहिये।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।
3. क्लास रूम में तालीम देने के अलावा फासलाती तालीम का मुतबादिल इन्तिजाम साथ साथ किया जाना चाहिये। इसके लिये फासिलाती तालीम का मरकज़ कायम किया जाना चाहिये।	मोरखा 23 मई 2011 को इम्नू के साथ MoU हो चुका है। डिपार्टमेन्ट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन के कायम करने के लिए हुक्मत की मंजूरी मिलने पर कार्वाई होगी।

(6) प्रो0 अब्दुल बिस्मिल्लाह के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफ्हा नं0-7 और 8 पर हैं—

मशवरा	कार्वाई
1. सैमेस्टर सिस्टम का तरीका तालीम ज्यादा बेहतर है इस लिये इसे नाफ़िज़ किया जाये।	एकजीक्यूटिव काउन्सिल ने दूसरी मीटिंग तारीख 21.09.2012 में इसको मंजूर किया है।
2 मॉस कम्प्यूनिकेशन का जो स्लेबस रखा गया है वह किताबी है। जरूरत इस बात की है कि प्रेक्टिकल तालीम भी दी जाये जिसके लिये कैमरे और मल्टी मीडिया के वसाएल का मुहैया करना लाजमी है।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।
3 हर स्लेबस में अमली इल्म देने के लिये क्रेडिट के कुछ यूनिट शामिल किये जाने चाहियें। अदब की तारीख निसाब में शामिल की	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।



خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ
 خواجہ موسیٰ نوین ددیں چشتی اردو، عربی - فارسی ویشوانیا لیالی
Khwaja Moinuddin Chishti Urdu, Arabi-Farsi University
 سیتاپور - ہردوئی باریپاس روڈ، لکھنؤ - 226020
 Website: www.usfulucknow.ac.in; upuafulucknow@gmail.com
 Phones: 0522-2777041-45; Fax: 0522-2774046

Attendance of Hon'ble members of Academic Council-
3rd meeting held on 27 June 2013

(Venue- Meeting Hall-Dr. Ram Manohar Lohia National Law University, Lucknow)

Sr. No.	Name	Postal Address	Contact No	Signature
1				
2	Prof. Aib P. Jafri	B. 397 In directorate Loknayak	9451015855	AIB
3	Prof. Renu Bhambhani	173, Madan Lal Block Aram Gangs village N. Delhi - 49		Alway,
4	Ashok Kumar Raychaudhury			Ashok
5	Mohd. Zahid	Prof. & chairman Dept. of Urdu A. M. U. Aligarh	9897202966	Zahid
6	Prof. Attaullah Ahmed Anni	Former Chairman P. I. Kallyan - Arya University	99976448605	Attaullah
7	Prof. Balraj Chawla	Professor L.L.B. L.L.C.		RBSC
8				
9				
10				

जाये खासतौर से फारसी और अरबी जवान के निसाब में।	
4. रस्ते में जदीद अदब को शामिल किया जाये खासतौर से हिन्दी, फारसी और अरबी के रस्ते में जदीद अदब की कमी है।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।
5. तकाबुली मुताला का डिपार्टमेन्ट अलग से कायम करना अच्छी शुरूआत है। महात्मा गांधी की हिन्दी इन्टरनेशनल युनिवर्सिटी वारदा में इस तरह का कोर्स चलाया जा रहा है, उससे मदद लेना चाहिये।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।
6. इसके अलावा तर्जुमा निगारी का भी अलग शोबा कायम किया जाना चाहिये।	नोट किया गया। हुक्मत की मंजूरी हासिल करने की कोशिश की जाएगी।
7. मखतूतात की हिफाज़त के लिये हैदराबाद के सालार जंग म्यूज़ियम से मदद ली जानी चाहिये।	नोट किया गया। इस पर अमल किया जाएगा।
8. निसाब में मज़ाह (हयूमर) के बजाये तन्ज व मज़ाह (सटायर और हयूमर) शामिल किया जाये।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।
9. हिन्दी के निसाब में भूषण मुतनाज़ शायर हैं। यह देख लिया जाये कि क्या उन्हें निसाब में रखना ज़रूरी है।	नोट किया गया। इस पर गौर किया जाएगा।

(7) प्रो० बलराज चौहान के ज़रिये दिये गये मशवरे जो सफहा नं०-८ पर हैं-

मशवरा	कार्यवाई
1. Pedagogy of Instructions को पहले ही से तय कर लिया जाये।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।
2. कितने कोर्सेज पहले शुरू किये जायें इसके लिये मौजूद सलाहियत को तय कर लिया जाये।	हुक्मत ने फिलहाल उर्दू अरबी, फारसी, हिन्दी, अंग्रेज़ी, होमसाइंस, जुगराफ़िया (भूगोल), सियासियात (राजनीति-शास्त्र), मआशियात (अर्थशास्त्र), तारीख (इतिहास), फिजिकल एजुकेशन, कामर्स (वाणिज्य), मास कम्प्युनिकेशन एण्ड जनलिज़म (जनसंचार और पत्रकारिता) और कम्प्यूटर अप्लाईकेशन में डिग्री कोर्सेज के अलावा बी०एड० और एम०बी०ए० चलाने की मंजूरी दी है।
3. जिन इदारों से मन्जूरी या सर्टिफिकेशन हासिल की जानी है जैसे बार काउन्सिल वगैरह उन्हें हासिल कर लिया जाये।	नोट किया गया। इसे लागू किया जाएगा।

★ एकेडमिक काउन्सिल को मुत्तला किया गया।

2.4 युनिवर्सिटी में लागू किए जाने वाले यकसां तयशुदा निसाबे तालीम (Syllabus) की मंजूरी-

उ0प्र0 हुकूमत ने हुकूमतनामा नं0-1419 / सत्तर-1-2011-16 (26) / 2011 तारीख 26 अगस्त 2011 के ज़रिए रियासत की सभी युनिवर्सिटियों में यकसां निसाबे तालीम लागू कर दिया है। एकजीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग तारीख 21.09.2012 में यह तय किया गया कि जहाँ मुनासिब हो यकसां कोर्स पढ़ाया जाए लेकिन इस युनिवर्सिटी की मख्सूस ज़रूरतों को देखते हुए ज़रूरत के मुताबिक कोर्स में तरमीम भी की जाए।

हुकूमत की मंशा के मुताबिक उर्दू, हिन्दी, अंग्रेज़ी, जुगराफिया, सियासियात, मआशियात, तारीख, फिज़िकल एजुकेशन, कामर्स, कम्प्यूटर अप्लीकेशनब में यकसां निसाबे तालीम और बकिया अरबी, फ़ारसी, होमसाइंस, एम0बी0ए0, मास कम्यूनिकेशन एण्ड जर्नलिज़म में लखनऊ युनिवर्सिटी को शामिल करते हुए दूसरी युनिवर्सिटियों के निसाबे तालीम लागू किए जाने की तजावीज़ मंजूरी के लिए पेश है। बराए करम मंजूरी देना चाहें।

★ एकेडमिक काउन्सिल ने मंजूरी दी कि युनिवर्सिटी भी यू0पी0 हुकूमत के ज़रिए लिए गए फैसले की मुनासिबत से यू0पी0 की तमाम युनिवर्सिटियों की तरह यकसा निसाब तालीम नाफिज़ करेगी और निसाब तालीम में किसी खास युनिवर्सिटी की पाबन्द नहीं होगी। एकेडमिक काउन्सिल ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि अगर युनिवर्सिटी निसाब तालीम में किसी तरमीम की ज़रूरत महसूस करती है तो तरमीमशुदा निसाब नाफिज़ करने की अहल होगी। क्योंकि निसाब तालीम की पाबन्दी से आज़ादी-ए-इज़हार और सलाहियत ईजादात मज़रूह होगी।

2.5 तालीमी साल 2012-13 शुरू किए जाने के मुतालिक मंजूरी-

पहला तालीमी साल शुरू करने के लिए हुक्मत के ज़रिए 74 असातिज़ह की असामियां मंजूर हो चुकी हैं जिसका इश्तिहार तारीख 07 सितम्बर 2012 (राष्ट्रीय सहारा उर्दू आग उर्दू दैनिक जागरण (हिन्दी) और टाइम्स ऑफ इण्डिया (अंग्रेजी) में), में शाये हो चुका है। असातिज़ह की तर्कररुरी की कार्रवाई भी तज़ी से किए जाने की तजवीज़ है। यू०जी०सी०, नई दिल्ली और हुक्मत यू०पी० के ज़रिये तयशुदा कवानीन व जवाबित के तहत सेमेस्टर सिस्टम के मुताबिक तालीमी साल 2012-13 शुरू किए जाने की तजवीज़ है। तजवीज़ मुअज्जिज़ मेम्बरान के सामने बराए मंजूरी पेश हैं। मुन्द्ररजाबाला असातिज़ह की तादाद को नज़र में रखते हुए तकरीबन 1100 (1 उस्ताद पर 30 तलबा/तालिबात) तलबा/तालिबात को दाखिला दिए जाने की तजवीज़ है।

हुक्मत यू०पी० के हुक्मनामा के मुताबिक तालीमी साल 2012-13 में नवम्बर 2012 तक असातिज़ह के 50 फ़ीसद ओहदे भरे जाने की उम्मीद है। भर्ती के बाद उर्दू अरबी और फ़ारसी के अलावा हिन्दी, इंग्लिश, होमसाइंस, जुगराफिया, सियासियात (Political Science), मआशियात (Economics), तारीख, और फ़िज़िकल एजुकेशन में 3 साला बी०ए० कोर्स की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसके अलावा बी०काम०, एम०बी०ए०, मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़िम, कम्प्यूटर अप्लीकेशन के डिग्री कोर्सेज़ और एम०बी०ए० की पढ़ाई शुरू की जाएगी। सारे कोर्सेज़ सेमेस्टर सिस्टम के मुताबिक चलाए जाएंगे।

एकेडमिक काउन्सिल ने मंजूरी दी।

~~✓~~
✓

✓

2.6 यूनिवर्सिटी एक्ट 1973 के मुताबिक सदर शोअबा को मैम्बर की हैसियत से नामज़द किया जाना-

यूनिवर्सिटी एक्ट 1973 के सेक्षन 31 (4) (II) के मुताबिक मुतअल्लिक शोअबा का सदरे शोअबा सेलेक्शन कमेटी का मेम्बर होता है। इस यूनिवर्सिटी में अभी क्योंकि किसी उस्ताद की तकर्रफ़ी नहीं हुई है इसलिए कोई सदरे शोअबा भी नहीं है। इसलिए रियासती या मरकजी यूनिवर्सिटी के मज़मून से मुतअल्लिक सदरे शोअबा या रिटायर्ड सदरे शोअबा वौरह को नामज़द किया जाए।

एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दर्जा बाला मंजूरी दी।

✓
X ✓

✓ ~

2.7 एम०बी०ए० में दाखिला के लिए युनिवर्सिटी के ज़रिए मुनअकिद टेस्ट की बुनियाद पर दाखिला करना-

हुकूमत के ज़रिये एम०बी०ए० में निसाबे तालीम मंजूर किया गया है। एम०बी०ए० में दाखिला की तजवीज़ है कि इस कोर्स में दाखिला युनिवर्सिटी के ज़रिए मुनअकिद टेस्ट में दाखिला में हासिलशुदा नम्बरों की बुनियाद पर किया जाए, साथ ही उर्दू अरबी व फारसी ज़बान (भाषा) को फरोग देने के लिये इन ज़बानों की अमली जानकारी रखना भी ज़रूरी हो। इस यूनिवर्सिटी के क्याम का अहम मक्सद ये है कि उर्दू अरबी और फारसी ज़बानों और उसकी तहजीब को बढ़ावा दिया जाये। कोर्स ऑफ स्टडीज़ को मुनतखब करते वक्त ये मक्सद मरकज़ी नुक्ता की हैसियत से रखा गया है कि ऐसे कोर्सेज़ की पढ़ाई की जाये जिनके ज़रिये तलबा व तालिबात को आसानी से रोज़गार मिल सके। इसके लिए निसाब तैयार करते वक्त इन दोनों मकासिद को मददे नज़र रखना बेहतर होगा कि मुनतखब किये गये कोर्स रोज़गार पर मनी हों और उनके तालीम के लिये मुनतखब किये गये तलबा व तालिबात और असातिज़ह और स्टाफ उर्दू अरबी या फारसी और कम्प्यूटर की अमली जानकारी रखते हों, इसलिए तजवीज़ है कि तलबा व तालिबात का दाखिला करते वक्त उर्दू अरबी या फारसी के अमली जानकारी का टेस्ट लिया जाये, कोर्स ऑफ स्टडीज़ में उर्दू अरबी या फारसी को लाज़मी मज़ामीन की हैसियत से पढ़ाना शामिल किया जाये और उन ज़बानों में अमली जानकारी रखने वालों को तरजीह दी जाये। इन ज़बानों को लाज़मी मज़ामीन की शक्ति में शामिल करके हासिल किए गए नम्बरों को मार्कशीट में दूसरे मज़ामीन की तरह शामिल किया जाये, इसके लिए दाखिले के वक्त उनमें से किसी एक ज़बान का टेस्ट लेना और दौराने तालीम दो/तीन सालों की मुद्दत में उर्दू अरबी या फारसी में से किसी एक ज़बान में इम्तिहान पास करने को लाज़िम करार देने की तजवीज़ मुअज्जिज़ मेमबरान के सामने बराए गौर व मंजूरी पेश है।

एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दर्जाबाला मंजूरी दी।



2.8 डिग्री सतह की पढ़ाई के वक्त उर्दू अरबी या फारसी में से किसी एक ज़बान को पढ़ना, लाज़मी करने की तज़वीज़-

दर्जबाला के मुताबिक उर्दू अरबी या फारसी ज़बान को बढ़ावा देने के लिए डिग्री सतह की पढ़ाई में भी तयशुदा निसाब के अलावा मुन्दर्जबाला ज़बानों में से किसी एक ज़बान को अलग से लाज़मी करार देने की तज़वीज़ मुअज्ज़िज़ मेमवरान के सामने बराए गौर व मंजूरी पेश है।

एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दर्जबाला की मंजूरी दी।

2.9 तदरीसी व गैर तदरीसी अमले में उर्दू अरबी या फारसी और कम्प्यूटर की अमली जानकारी रखने वाले उम्मीदवारों को तरजीह देना और तालीम व इम्तिहान के वसीले के मुतालिक तजवीज़—

उर्दू अरबी और फारसी जबान को बढ़ावा देने के लिए असातिज़ह और दूसरे स्टाफ के इन्तिखाब में उर्दू अरबी या फारसी और कम्प्यूटर का इल्म रखने वाले उम्मीदवारों को तरजीह देने की तजवीज़ मंजूरी के लिए मुअज्जिज मेमबरान के सामने पेश है, चूंकि ये यूनिवर्सिटी उर्दू अरबी और फारसी की तहजीब को बढ़ावा देने के लिये कायम की गई है और साथ में रोज़गार के कोर्सेज़ को अव्वलियत देना भी ज़रूरी है, इसलिए तजवीज़ है कि तालीम और इम्तिहान के वसीले अंग्रेज़ी में हों लेकिन जो तलबा या तालिबात किसी मज़मून को उर्दू में पढ़ना चाहें या बज़रिया उर्दू इम्तिहान देना चाहें उसका भी माकूल इन्तेज़ाम किया जाये।

एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दर्जाबाला की मंजूरी दी।



2.10 हुकूमत के ज़रिये तदरीसी और गैर तदरीसी असामियों की मर्ती के मुतालिक इत्तिला और असातिज़ह के ओहदों के इन्तिखाबी अमल की तफ़सील मुहैया कराना—

हुकूमत के हुक्मनामा नं0—1477 / सत्तर—4—2012—3(47) / 2010 तारीख 24 अगस्त 2012 के ज़रिये असातिज़ह के 74 ओहदे मंजूर किए गए हैं। इन ओहदों में से 37 ओहदों पर तकर्त्तरी पहले तालीमी साल में और बकिया आइन्दा तालीमी साल में की जानी है। तकर्त्तरी के लिये इश्तिहार तारीख 7 सितम्बर 2012 को अखबारों (राष्ट्रीय सहारा उर्दू आग उर्दू दैनिक जागरण (हिन्दी) और टाइम्स ऑफ इण्डिया (अंग्रेजी)) में शाये हो चुका है और दरखास्त फार्म हासिल करने की आधिकारी तारीख 08 अक्टूबर 2012 तय की गई है। सेलेक्शन कमेटी के माहिरीन की तकर्त्तरी के लिए इज्ज़तमाब गवर्नर, उ0प्र0 से हवाला नं0—253 तारीख 7 सितम्बर 2012 के ज़रिये गुज़ारिश की जा चुकी है। माहिरीन की तकर्त्तरी होने के बाद इन्टरव्यू कराया जाना और तकर्त्तरी की कार्रवाई जल्द किए जाने की तजवीज़ है। 56 गैर तदरीसी ओहदों की मंजुरी की तजवीज़ हुकूमती सतह पर अमल में है।

★ एकेडमिक काउन्सिल को तदरीसी व गैर तदरीसी असामियों की मर्ती और असातिज़ह के ओहदों के इंतिखाबी अमल की तफ़सील से मुत्तला किया गया।

✓

~~~~~

2.11 यूनिवर्सिटी का नाम तब्दील करने के मुतालिक इतिला-

यूपी० हुक्मत ने यूपी० रियासती यूनिवर्सिटी (तरमीम) ऑर्डिनेन्स 2012 नं०-५९७/७९-वि-१-१२-२(क)६-२०१२ तारीख १६ अगस्त २०१२ के पैरा-२ के मुताबिक यूनिवर्सिटी का नाम ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती (Khawaja Moinuddin Chishti) के नाम पर कर दिया है। अब इस यूनिवर्सिटी का नाम मान्यवर श्री कांशीराम जी, उर्दू अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी के बजाए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी हो गया है।

- ★ एकेडमिक काउन्सिल को यूनिवर्सिटी का नाम तब्दील (मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू, अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी के बजाए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी) होने से मुत्तला किया गया।

~~✓~~  
✓

~~~~~

2.12 एकजीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग तारीख 21 सितम्बर 2012 में लिए गए दर्जजेल फैसलों से एकेडमिक काउन्सिल को मुत्तला करना-

- चार पांच मेम्बरान पर मुश्तमिल एक कमेटी वाइस चांसलर के ज़रिए बनाई जाए जो उर्दू अरबी और फारसी के आला तालीमी इदारों को तसलीम करने, उन की मदद करने और उनको आसानियां फराहम करने के तरीकों पर गौर करें। साथ ही लड़कियों के लिए फासलाती तालीम को मुमकिन बनाने पर गौर करें। इस सियाक में कामिल और फाजिल की डिप्रियों को तसलीम करने की तजवीज़ भी रखी गई।
- एक उर्दू और दूसरी अरबी व फारसी रिसर्च इंस्टीट्यूट का क्याम अमल में आए।
- अमीर खुसरो व कबीर मुनअकिद तौसीअ खुतबे और बाद में किए गए सेमिनार के पर्चों वगैरह को शाए किया जाए।
- एकजीक्यूटिव काउन्सिल के मुअज्जिज़ मेम्बरान और युनिवर्सिटी के अराकीन ने हुक्मत यू०पी० का शुक्रिया अदा करने के लिए दर्जजेल रिजोल्युशन पास किया-

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी, लखनऊ, की एकजीक्यूटिव काउन्सिल से मुतालिक लोग मोहतरम वज़ीर आला जनाब अखिलेश यादव जी के बेहद शुक्रगुजार है कि उन्होने यूनिवर्सिटी का नाम "ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती" के मुबारक नाम पर रखना मंजूर किया। हिन्दुस्तान के साथ-साथ दूसरे मुल्कों के लोग ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती से अकीदत रखते हैं। जनाब यादव की हुक्मत ने युनिवर्सिटी को तामीरी काम के लिए रु० 25.00 करोड़ की रकम माली साल 2012-13 के आम बजट में मंजूर की। युनिवर्सिटी के पहले तालीमी साल को शुरू कराने के लिए मोहतरम वज़ीर आला ने असातिजह (शिक्षकों) के 74 ओहदे मंजूर किए और इस साल 50 फ़ीसद असामियों की भर्ती की मंजूरी दी। इसमें दो राय नहीं कि ये युनिवर्सिटी के हक में बेहद अहम कदम साबित होंगे।

हम एकजीक्यूटिव काउन्सिल के मेम्बरान इन अच्छे इकदामात के लिए जनाब अखिलेश यादव की सरकार के ममनून हैं। इन एहसासात से उन्हें मुत्तला भी किया जाना चाहिए।

★ एकेडमिक काउन्सिल को एकजीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग में लिए गए मुन्दर्जा बाला फैसलों से मुत्तला किया गया।

QX
✓

W

2.13 दीग्र नुकात सदर मोहतरम की इजाज़त से-

- एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दर्जा जेल तजावीज पेश की-
- ★ **प्रोफेसर रेनु मारद्ववाज़:** Vocational कोर्सज चलाए जाएं ताकि जिन लोगों के पास हाई-स्कूल और इंटरमीडिएट की सर्टिफिकेट न हो तो उन के लिए एक टेस्ट के बाद आला तालीम की सहूलियत मुहैया की जाए।
 - ★ **प्रो० ए०के० सिंह:** होम साइंस में दूसरी युनिवर्सिटीज की मदद ली जाए ताकि इस शोबा को मिसाली बनाया जा सके।
—हुकूमत के जरिए तदरीसी असामियों की तकसीम फैकल्टी के बजाए कोर्स की मुनासिबत से होनी चाहिए।
—कम्परेटिव रिलीजन (तकाबुली मुताला अदयान), मेडिकल एण्ड नर्सिंग और साइंस के कोर्सज के लिए यू०पी० हुकूमत से दरख्खास्त की जाए।
 - ★ **प्रो० असलम इसलाही:** हसरत मोहानी के नाम से किसी बिल्डिंग वगैरह को मौसूम किया जाए ताकि उनकी बेमिसाल कुर्बानियों को सराहा जा सके।
—अरबी और फारसी के बहुत से मख्तूतात जाए हो रहे हैं। उनकी हिफाज़त के लिए माकूल इंतज़ाम किया जाए और अहम मख्तूतात के इंतिखाब के बाद उनका उर्दू हिन्दी और इंग्लिश में तर्जुमा किया जाए। अरबी ज़बान में एक अहम किताब 1857 ई० के गुदर से मुतालिक है, जिस का हिन्दी और इंग्लिश में तर्जुमा न गुज़ेर है।
—अरबी और फारसी सीखने और सिखाने वालों का दौरे हाजिर की ज़रूरतों को पेशे नज़र रखना चाहिए।
—लखनऊ के अदबियों और अहल राए को जमा करके युनिवर्सिटी की तरक्की और उन की ज़रूरतों के मुतालिक मशवरह किया जाए।
 - ★ **प्रो० गफ़फ़ार सिद्दीकी:** चन्द अरबी और फारसी किताबों का इंतिखाब करके उर्दू हिन्दी और इंग्लिश में तर्जुमा किया जाए और मुस्तशरकीन के तराजुम को चेक किया जाए कि उन्होंने कहाँ-कहाँ गड़बड़िया की हैं।
—एक ऐसा शोबा कायम किया जाए जो गैर मुल्की सिफारत खानों और कम्पनियों में इंटरप्रीटर के लिए तलबा की तैयारी में मदद फ़राहम कर सके।
 - ★ **प्रो० अनीस अहमद अंसारी:** हकीम अजमल खान पर एक तौसी खुतबा का इंतज़ाम किया जाए।

✓

इंतज़ाम करने वाले सभी संस्थानों की तैयारी की जाएगी।
इंतज़ाम करने वाले सभी संस्थानों की तैयारी की जाएगी।
उन्हें अपनी तैयारी की जाएगी।

2.13 دیگر نکات صدر محترم کی اجازت سے:

اکیڈمک کاؤنسل نے مندرجہ ذیل تجویز پیش کیں:

☆ پروفیسر رینو بھاردواج: Vocational کو سز چلانے جائیں تاکہ جن لوگوں کے پاس ہائی اسکول اور انٹرمیڈیٹ کی سرفیکٹ نہ ہو تو ان کے لیے ایک ٹیکسٹ کے بعد اعلیٰ تعلیم کی سہولت مہیا کی جائے۔

☆ پروفیسر اے. کے. سنگھ: ہوم سائنس میں دوسرا یونیورسٹیز کی مدد لی جائے تاکہ اس شعبہ کو مثلی بنایا جاسکے۔ حکومت کے ذریعہ مریض اسامیوں کی تقسیم فیکٹری کے بجائے کورس کی مناسبت سے ہونی چاہیے۔

- کپریٹور یونیورسٹی (قابلی مطالعہ ادیان)، میڈیکل اینڈ نرنسنگ اور سائنس کے کورسز کے لیے یوپی حکومت سے درخواست کی جائے۔

☆ پروفیسر اسلام اصلاحی: حضرت موبانی کے نام سے کسی بلڈنگ وغیرہ کو موسم کیا جائے تاکہ ان کی بے مثال قربانیوں کو سراہا جاسکے۔

- عربی اور فارسی کے بہت سے مخطوطات ضائع ہو رہے ہیں، ان کی حفاظت کے لیے معقول انتظام کیا جائے اور اہم مخطوطات کے انتخاب کے بعد ان کا اردو، ہندی اور انگلش میں ترجمہ کیا جائے۔ عربی زبان میں ایک اہم کتاب 1857ء کے عدرسے متعلق ہے، جس کا ہندی اور انگلش میں ترجمہ ناگزیر ہے۔

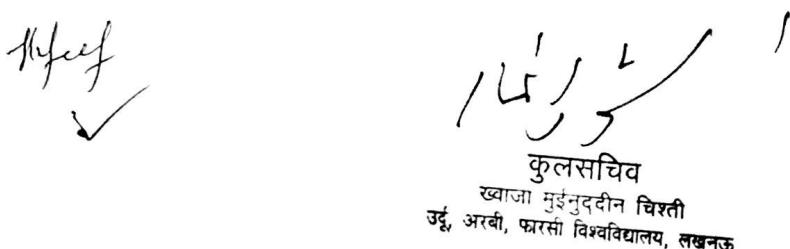
- عربی اور فارسی سیکھنے اور سکھانے والوں کو دوڑھاضر کی ضرورتوں کو پیش نظر رکھنا چاہیے۔

- لکھنؤ کے ادیبوں اور اہل رائے کو جمع کر کے یونیورسٹی کی ترقی اور ان کی ضرورتوں کے متعلق مشورہ کیا جائے۔

☆ پروفیسر غفار صدیقی: چند عربی اور فارسی کتابوں کا انتخاب کر کے اردو، ہندی اور انگلش میں ترجمہ کیا جائے اور مستشرقین کے ترجمہ کو چیک کیا جائے کہ انہوں نے کہاں کہاں گز بڑیاں کی ہیں۔

- ایک ایسا شعبہ قائم کیا جائے جو غیر ملکی سفارت خانوں اور کمپنیوں میں انٹر پریٹر کے لیے طلبہ کی تیاری میں مدد فراہم کر سکے۔

☆ پروفیسر انیس احمد انصاری: حکیم اجمل خان پر ایک تو سیمی خطبہ کا انتظام کیا جائے۔



2.12 ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کی دوسری میٹنگ مورخہ 21 ستمبر 2012 میں لئے گئے درج ذیل فیملوں سے اکیڈمک کاؤنسل کو مطلع کرتا:

- چار پانچ ممبر ان پر مشتمل ایک کمیٹی و اس چانسلر کے ذریعہ بنائی جائے جو اوراد، عربی اور فارسی کے اعلیٰ تعلیمی اداروں کو تسلیم کرنے، ان کی مدد کرنے اور ان کو آسانیاں فراہم کرنے کے طریقوں پر غور کرے۔ ساتھ ہی لڑکیوں کے لیے فاصلاتی تعلیم کو ممکن بنانے پر غور کرے۔ اس سیاق میں کامل اور فاضل کی ڈگریوں کو تعلیم کرنے کی تجویز بھی رکھی گئی۔
- ایک اردو اور دوسرے عربی و فارسی ریسرچ انسٹی ٹیوٹ کا قیام عمل میں آئے۔
- امیر خسرو و کبیر پر منعقد تو سیمینار کے پرچوں وغیرہ کو شائع کیا جائے۔
- ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کے معزز ممبر ان اور یونیورسٹی کے ارکین نے حکومت یوپی کا شکریہ یاد کرنے کے لیے درج ذیل ریزولوشن پاس کیا:

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ کی ایک ایگزیکیوٹیو کاؤنسل سے متعلق لوگ عزت ماب وزیر اعلیٰ جناب اکھیلیش یادو جی کے بے حد شکرگزار ہیں کہ انہوں نے یونیورسٹی کا نام خواجہ معین الدین چشتی کے مبارک نام پر رکھنا منظور کیا۔ ہندوستان کے ساتھ ساتھ دوسرے ملکوں کے لوگ خواجہ معین الدین چشتی سے عقیدت رکھتے ہیں۔ جناب یادو کی حکومت نے یونیورسٹی کو تعمیری کام کے لئے روپے 25 کروڑ کی رقم مالی سال 2012-13 کے عام بجٹ میں منظور کی۔ یونیورسٹی کے پہلے تعلیمی سال کو شروع کرانے کے لئے محترم وزیر اعلیٰ نے اساتذہ کے 74 عہدے منظور کئے اور اس سال 50 نیصد اسامیوں کی بھرتی کی منظوری دی۔ اس میں دورائے نہیں کہ یہ یونیورسٹی کے حق میں بے حد اہم قدم ثابت ہو گے۔

ہم ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کے ممبر ان اچھے اقدامات کے لئے جناب اکھیلیش یادو کی سرکار کے ممنون ہیں۔ ان احساسات سے انھیں مطلع بھی کیا جانا چاہیے۔

☆ اکیڈمک کاؤنسل کا ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کی دوسری میٹنگ میں لئے گئے مندرجہ بالا فیملوں سے مطلع کیا گیا۔

فیصلہ
✓

کاؤنسل

کوکل سسچیو
خدا جزا میڈیون دیتیں دیش تی
لکھنؤ اردو۔ فارسی دیش و دیغاتی، لکھنؤ

2.11 یونیورسٹی کا نام تبدیل کرنے کے متعلق اطلاع:-

یوپی حکومت نے یوپی ریاستی یونیورسٹی (ترمیم) آرڈیننس 2012 نمبر 6-12-2(ک) 597/79 مورخہ 16 اگست 2012 کے پیرا-2 کے مطابق یونیورسٹی کا نام خواجہ معین الدین چشتی (Khwaja Moinuddin Chishti) کے نام پر کر دیا ہے۔ اب اس یونیورسٹی کا نام مانیہ و رشی کانشی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی کے بجائے خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی ہو گیا ہے۔

☆ اکیڈمک کاؤنسل کو یونیورسٹی کا نام تبدیل (مانیہ و رشی کانشی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی کے بجائے خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی) ہونے سے مطلع کیا گیا۔

Muzaffar
✓

موزافر ممتاز
کول سی ایچ
خواجہ مسعود دہنیان پیش تی
آرڈبی - فارسی ویشنیویڈیا لسی، لखنؤ

2.10 حکومت کے ذریعہ تدریسی اسامیوں کی بھرتی کے متعلق اطلاع اور اساتذہ کے عہدوں کے انتخابی عمل کی تفصیل

مہیا کرنا:-

حکومت کے حکم نامہ نمبر 2010/3(47) 1477/70-4-2012 کے ذریعہ اساتذہ کے 74 عہدوں کے منظور کئے گئے ہیں، ان عہدوں میں سے 37 عہدوں پر تقریبی تعلیمی سال میں اور باقیہ آئندہ تعلیمی سال میں کی جانی ہے۔ تقریبی کے لیے اشتہار مورخہ 7 ستمبر 2012 کو اخباروں (راشٹریہ سہارا۔ اردو، آگ۔ اردو، دیک جاگرن۔ ہندی اور ٹائمس آف انڈیا۔ انگلش) میں شائع ہو چکا ہے اور درخواست فارم حاصل کرنے کی آخری تاریخ 18 کتوبر 2012 طے کی گئی ہے۔ سلیکشن کمیٹی کے ماہرین کی تقریبی کے لیے آنچاب گورنمنٹ پرنسپل سے حوالہ نمبر 253 مورخہ 7 ستمبر 2012 کے ذریعہ گزارش کی جا پچکی ہے۔ ماہرین کی تقریبی ہونے کے بعد انہوں نے اپنے کاروائی جلد کئے جانے کی تجویز ہے۔ 56 غیر تدریسی عہدوں کی منظوری کی تجویز حکومتی سطح پر عمل میں ہے۔

☆ اکیڈمک کاؤنسل کو تدریسی و غیر تدریسی اسامیوں کی بھرتی اور اساتذہ کے عہدوں کے انتخابی عمل کی تفصیل سے مطلع کیا گیا۔

میہماں
کہ

ر / ر کمار
کوٹلسا صیحہ
خواجہ مسعود دین دیشی
ڈکٹر اردو۔ فارسی ویشنوی یونیورسٹی، لکھنؤ

2.9 تدریسی و غیرتدریسی عملے میں اردو، عربی یا فارسی اور کمپیوٹر کی عملی جانکاری رکھنے والے امیدواروں کو ترجیح دینا اور تعلیم و امتحان کے ویلے کے متعلق تجویزیں:-

اردو، عربی اور فارسی زبان کو بڑھاوا دینے کے لیے اساتذہ اور دوسرے اشاف کے انتخاب میں اردو، عربی یا فارسی اور کمپیوٹر کا علم رکھنے والے امیدواروں کو ترجیح دینے کی تجویز منظوری کے لیے معزز ممبران کے سامنے پیش ہے۔ چونکہ یہ یونیورسٹی اردو، عربی اور فارسی کی تہذیب کو بڑھاوا دینے کے لیے قائم کی گئی ہے اور ساتھ میں روزگار کے کورسیز کو اولیت دینا بھی ضروری ہے، اس لیے تجویز ہے کہ تعلیم اور امتحان کے ویلے انگریزی میں ہوں لیکن جو طبہ یا طالبات کسی مضمون کو اردو میں پڑھنا چاہیں یا بذریعہ اردو امتحان دینا چاہیں تو اس کا بھی معقول انتظام کیا جائے۔

M. F. M.
✓

☆ اکیڈمک کاؤنسل نے مندرجہ بالا کی منظوری دی۔

کوئل سماں
خواجہ سعید نور دیوبندیہ چیخستی
اردو، اردو-فارسی دیوبندیہ، لखنؤں

2.8

ڈگری سطح کی پڑھائی کے وقت اردو، عربی یا فارسی میں سے کسی ایک زبان کو پڑھانا لازمی کرنے کی تجویز:

درج بالا کے مطابق اردو، عربی یا فارسی زبان کو بڑھاؤادینے کے لیے ڈگری سطح کی پڑھائی میں بھی طلشہ نصاب کے علاوہ مندرجہ بالا

زبانوں میں سے کسی ایک زبان کو الگ سے لازمی قرار دیا جائے۔

☆ اکیڈمک کاؤنسل نے مندرجہ بالا کی منظوری دی۔

Mufeed

✓

امتحان
کول سماں یونیورسٹی
خواجہ میں نور الدین غیرتی
اردو، اردو-فارسی ویشنوی یونیورسٹی، لखنؤ

2.7 ایم بی اے میں یونیورسٹی کے ذریعہ منعقد تھیسٹ کی بنیاد پر داخلہ کرتا:-

حکومت کے ذریعہ ایم بی اے میں نصاب تعلیم منظور کیا گیا ہے۔ ایم بی اے میں داخلہ کی تجویز ہے کہ اس کو رس میں یونیورسٹی کے ذریعہ منعقد تھیسٹ میں حاصل شدہ نمبروں کی بنیاد پر داخلہ کیا جائے۔ ساتھ ہی اردو، عربی و فارسی زبان کو فروغ دینے کے لئے ان زبانوں کی عملی جانکاری رکھنا بھی ضروری ہو۔ اس یونیورسٹی کے قیام کا اہم مقصد یہ ہے کہ اردو، عربی اور فارسی زبانوں اور ان کی تہذیب کو بڑھاوا دیا جائے۔ کورس آف اسٹڈیز کو منتخب کرتے وقت یہ مقصد مرکزی نکتہ کی حیثیت سے رکھا گیا ہے کہ ایسے کورسیز کی پڑھائی کی جائے جن کے ذریعہ طلباء و طالبات کو آسانی سے روزگار مل سکے۔ اس کے لئے نصاب تیار کرتے وقت ان دونوں مقاصد کو مد نظر رکھنا بہتر ہو گا کہ منتخب کئے گئے کورس روزگار پرمنی ہوں اور ان کے تعلیم کے منتخب کے لئے طلباء و طالبات اور اساتذہ و اسٹاف اردو، عربی یا فارسی اور کمپیوٹر کی عملی جانکاری رکھتے ہوں۔ اس لئے تجویز ہے کہ طلباء و طالبات کا داخلہ کرتے وقت اردو، عربی یا فارسی کے عملی جانکاری کا ٹھیسٹ لیا جائے۔ کورس آف اسٹڈیز میں اردو، عربی یا فارسی کو لازمی مضمایں کی حیثیت سے پڑھانا شامل کیا جائے اور ان زبانوں میں عملی جانکاری رکھنے والوں کو ترجیح دی جائے۔ ان زبانوں کو لازمی مضمایں کی شکل میں شامل کر کے حاصل کئے گئے نمبروں کو مارکس ٹھیسٹ میں دوسرے مضمایں کی طرح شامل کیا جائے۔ اس کے لیے داخلے کے وقت ان میں سے کسی ایک زبان کا ٹھیسٹ لینا اور دوران تعلیم 3/2 سالوں کی مدت میں اردو، عربی یا فارسی میں سے کسی ایک زبان میں امتحان پاس کرنے کو لازمی قرار دیا جائے۔

مختصر
مختصر

☆ اکیڈمک کاؤنسل نے مندرجہ بالا کی منظوری دی۔

کرکٹ کھانہ
کول سسچیو
خواجہ مسیح نور الدین خیشتمی
उद्योगی اردو-فارسی ویشنوی یونیورسٹی، لکھنؤ

2.6 یونیورسٹی ایکٹ 1973 کے مطابق صدر شعبہ کو ممبر کی حیثیت سے نامزد کیا جانا:-
 یونیورسٹی ایکٹ 1973 کے بیکش (ii)(a) (4) 31 کے مطابق متعلق شعبہ کا صدر شعبہ سلیکیشن کمیٹی کا ممبر ہوتا ہے۔ اس یونیورسٹی میں ابھی پونکہ کسی استاد کی تقرری نہیں ہوئی ہے اس لیے کوئی صدر شعبہ بھی نہیں ہے۔ اس لیے ریاستی یا مرکزی یونیورسٹی کے مضمون سے متعلق صدر شعبہ یا ریٹریٹ صدر شعبہ وغیرہ کو نامزد کیا جائے۔
 ☆ اکینڈمک کاؤنسل نے مندرجہ بالا کی منظوری دی۔

کھلکھلار
 کول ساساچو
 خواجہ مسیح نور الدین چشتی
 عارف آزادی کا افسوسی دینے والے ایضاً جاتے ہیں، لखنؤ

2.5 تعلیمی سال 13-2012 شروع کئے جانے کے متعلق منظوری:-

پہلا تعلیمی سال شروع کرنے کے لیے حکومت کے ذریعہ 74 اساتذہ کی اسامیاں منظور ہو چکی ہیں جس کا اشتہار مورخہ 7 ستمبر 2012 (راشر یہ سہارا۔ اردو، آگ۔ اردو، دینک جاگرنا۔ ہندی، اور نامکس آف انڈیا۔ انگلش) میں شائع ہو چکا ہے۔ اساتذہ کی تقریری کی کارروائی بھی تیزی سے کئے جانے کی تجویز ہے۔ یوجی سی، نئی دہلی اور حکومت یوپی کے ذریعہ طے شدہ قوانین و ضوابط کے تحت سیمسٹر سسٹم کے مطابق تعلیمی سال 13-2012 شروع کئے جانے کی تجویز ہے۔ مندرجہ بالا اساتذہ کی تعداد کو نظر میں رکھتے ہوئے تقریباً 1100 (ایک استاد پر 30 طلبہ/ طالبات) طلبہ/ طالبات کو داخلہ دیئے جانے کی تجویز ہے۔

حکومت یوپی کے حکم نامہ کے تحت تعلیمی سال 13-2012 میں نومبر 2012 تک اساتذہ کے 50 فیصد عہدے بھرے جانے کی امید ہے۔ بھرتی کے بعد اردو، عربی اور فارسی کے علاوہ ہندی، انگلش، ہوم سائنس، جغرافیہ، سیاست، معاشیات، تاریخ اور فزیکل ایجوکیشن میں 3 سالہ بی۔ اے کورس کی پڑھائی شروع کی جائے گی۔ اس کے علاوہ بی۔ کام، ایم۔ بی۔ اے، ماس کیونکیشن و جرزلزم، کمپیوٹر اپلیکیشن کے ڈگری کورسیزا اور ایم۔ بی۔ اے۔ کی پڑھائی بھی شروع کی جائے گی۔ سارے کورسیز سیمسٹر سسٹم کے مطابق چلاۓ جائیں گے۔

مہمند
✓

☆ اکیڈمک کاؤنسل نے منظوری دی۔

مہمند
کوکل سسٹیو
खواجہ مسیح نور الدین چشتی
جائزہ اور حاصلہ - فارسی ویشنوی یونیورسٹی، لکھنؤ

2.4

اترپر دلیش حکومت کے ذریعہ یوپی کی بھی یونیورسٹیوں کے لیے یکساں طے شدہ نصاب تعلیم کو لاگو کئے جانے کے متعلق منظوری:-

ایگزیکیوٹیو کاؤنسل نے اپنی دوسری میٹنگ مورخہ 21 ستمبر 2012 میں یہ فیصلہ کیا کہ جہاں تک ممکن ہو گا یہ یونیورسٹی بھی یوپی حکومت کے ذریعہ لیے گئے فیصلے کی مناسبت سے یوپی کی تمام یونیورسٹیوں کی طرح یکساں نصاب تعلیم نافذ کرے گی لیکن اگر یونیورسٹی نصاب تعلیم میں کسی ترمیم کی ضرورت محسوس کرتی ہے تو اکیڈمک کاؤنسل سے پاس کرنے کے بعد ترمیم شدہ نصاب نافذ کرنے کی اہل ہوگی۔

حکومت کی منشا کے مطابق اردو، ہندی، انگریزی، جغرافیہ، سیاست، تاریخ، معاشیات، فزیکل انجینئرنگ، کامرس، اور کمپیوٹر پلیکیشن میں یکساں نصاب تعلیم اور بقیہ عربی، فارسی، ہوم سائنس، ایم بی اے، ماس مکیونی کیشن ایڈ جرنلزم میں لکھنؤ یونیورسٹی کا شامل کرتے ہوئے دوسری یونیورسٹیز کے نصاب تعلیم کو لاگو کئے جانے کی تجوید منظوری کے لئے پیش ہیں۔

☆ اکیڈمک کاؤنسل نے منظوری دی کہ یونیورسٹی بھی یوپی حکومت کے ذریعہ لیے گئے فیصلے کی مناسبت سے یوپی کی تمام یونیورسٹیوں کی طرح یکساں نصاب تعلیم نافذ کرے گی اور نصاب تعلیم میں کسی خاص یونیورسٹی کی پابندیوں کی پابند نہیں ہوگی۔ اکیڈمک کاؤنسل نے اس بات پر بھی زور دیا کہ اگر یونیورسٹی نصاب تعلیم میں کسی ترمیم کی ضرورت محسوس کرتی ہے تو ترمیم شدہ نصاب نافذ کرنے کی اہل ہوگی کیوں کہ نصاب تعلیم کی پابندی سے آزادی اظہار اور صلاحیت ایجادات مجرور ہوں گی۔

فہرست
ملحق

رائے کریم

کول سسچیو

खواجہ مسیح نور الدین چشتی

چڑھ اردو-فارسی ویسٹ ویسٹ ایجنسی، لکھنؤ

نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۲) ماس کمونی کیشن کا جو نصاب رکھا گیا ہے، وہ کتابی ہے۔ ضرورت اس بات کی ہے کہ پریکٹیکل تعلیم بھی دی جائے جس کے لئے کسبرے اور ملٹی میڈیا کے وسائل کا مہبیا کرنا لازمی ہے۔
نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۳) ہر نصاب میں عملی علم دینے کے لئے کریٹیٹ کے جانے چاہئے۔ ادب کی تاریخ نصاب میں شامل کی جائے۔ خاص طور پر عربی اور فارسی زبان کے نصاب میں۔
نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۴) نصاب میں جدید ادب کو شامل کیا جائے۔ خاص طور سے ہندی، فارسی اور عربی میں جدید ادب کی کمی ہے۔
نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۵) تقابی مطالعہ کا ڈیپارٹمنٹ الگ سے قائم کرنا اچھی شروعات ہے۔ مہاتما گاندھی تو می ہندی انگریزی میں یونیورسٹی، واردها میں اس طرح کا کورس چلایا جا رہا ہے۔ اس سے مدد لینا چاہئے۔
نوت کیا گیا۔ حکومت کی منظوری حاصل کرنے کی کوشش کی جائے گی۔	(۶) اس کے علاوہ ترجمہ نگاری کا بھی الگ شعبہ قائم کیا جانا چاہئے۔
نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۷) مخطوطات کی حفاظت کے لئے حیدر آباد کے سالار جنگ میوزیم سے مدلی جانی چاہئے۔
نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۸) نصاب میں مزاح کے بجائے طنز و مزاح شامل کیا جائے۔
نوت کیا گیا۔ اس پر غور کیا جائے گا۔	(۹) ہندی کے نصاب میں بھوشن تنازع شاعر ہیں، یہ دیکھ لیا جائے کہ کیا انھیں نصاب میں رکھنا ضروری ہے؟

(۷) پروفیسر براج چوہان کے ذریعہ دئے گئے مشورے جو صفحہ نمبر 8 پر ہیں -

مشورہ	کارروائی
(۱) Pedagogy of Instruction کو پہلے ہی سے طے کر لیا جائے۔	نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔
(۲) کتنے کورسیز پہلے شروع کئے جائیں، اس کے لئے موجود صلاحیت کو طے کر لیا جائے۔	حکومت نے فی الحال اردو، عربی، فارسی، ہندی، انگریزی، ہوم سائنس، جغرافیہ، سیاست، تاریخ، معاشیات، فریکل انجوکیشن، کامرس، ماس میڈیا کیشن ایڈ جرنلزم اور کپیوژن کورسیز میں ڈگری کورسیز کے علاوہ بی ایڈ اور ایم بی اے چلانے کی منظوری دی ہے۔
(۳) جن اداروں سے منظوری یا سرفیکٹیشن حاصل کی جانی ہے جیسے بار کاؤنسل وغیرہ انھیں حاصل کر لیا جائے۔	نوت کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔

☆ اکنڈک کاؤنسل کو مطلع کیا جیا۔

نوٹ کیا گیا۔ کوشش کی جائے گی۔	(۲) یہ بھی انگریزی حیثیت کی یونیورسٹی بنائی گئی ہے اور اسے اتر پردیش کے باہر کے طلباء اور طالبات کے لئے بھی مثالی یونیورسٹی کی حیثیت سے ترقی دی جانی چاہئے۔
نوٹ کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۳) انٹر پریٹ اور نسلیٹ کے کورس بہت اچھے ہیں۔ نہ صرف ہندوستان کی بلکہ باہر کی زبانوں کے ترجیح کا بھی انتظام کیا جانا چاہئے۔
نوٹ کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۴) پروفیسر اسلام اصلاحی کے مخطوطات کی حفاظت کے سلسلے میں دی گئی رائے سے تتفق ہوں۔ اس کے لئے قومی مخطوطات مشن سے بھی مدد لی جائے۔

(۵) پروفیسر شفیق پروین کے ذریعہ دئے گئے مشورے جو صفحہ نمبر 7 پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
نوٹ کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۱) ہندوستان کی تین بڑی زبانوں کو حکومت اتر پردیش نے ایک ساتھ فروغ دینے کی جو کوشش کی ہے وہ مبارک باد کے لائق ہے۔ خاص طور سے زبانوں کے ساتھ ساتھ باروزگار بنانے والے مضامین کو ترجیح دینا بہت اچھی بات ہے۔
نوٹ کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۲) اتر پردیش جیسی ریاست میں اردو کو فروغ دینا چاہئے۔ اس سیاق میں لکھنؤ یونیورسٹی کا نصاب مرکزی حیثیت رکھتا ہے۔ دوسری یونیورسٹیز کے نصاب کو بھی دیکھنا چاہئے۔
مورخہ 23 مئی 2011 کو اگنو کے ساتھ MoU ہو چکا ہے۔ ڈیپارٹمنٹ آف ڈیشنیس ایجوکیشن کے قائم کرنے پر حکومت کی منتظری ملنے پر کارروائی ہوگی۔	(۳) کلاس روم میں تعلیم دینے کے علاوہ فاصلاتی تعلیم کا مقابل انتظام ساتھ ساتھ کیا جانا چاہئے۔ اس کے لئے فاصلاتی تعلیم کا مرکز قائم کیا جانا چاہئے۔

(۶) پروفیسر عبداللہ کے ذریعہ دئے گئے مشورے جو صفحہ نمبر 7 اور 8 پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کی دوسری میٹنگ تاریخ 21.09.2012 میں اس کو منظور کیا گیا ہے۔	(۱) سیمسٹر سسٹم کا طریقہ تعلیم زیادہ بہتر ہے اس لئے اسے نافذ کیا جائے۔

Alif

۹۔۷۔۱۰
کوکل سماں

لہٰذا پڑھ دیں یہیں
لہٰذا پڑھ دیں یہیں
لہٰذا پڑھ دیں یہیں
لہٰذا پڑھ دیں یہیں

نوث کیا گیا۔ اس سیشن سے اسے نافذ کیا جائے گا۔	(۲) لکھنؤ یونیورسٹی میں معاشیات کا نصاب کافی اچھا ہوتا ہے اسے شامل کیا جائے۔
نوث کیا گیا۔ اس کے مطابق کارروائی کی جائے گی۔	(۳) واس چانسلر کو مجاز کیا جائے کہ وہ نصاب میں ترمیم اور اس کا انتخاب اپنی سطح پر کر سکیں۔
نوث کیا گیا۔ اس کے مطابق عمل کیا جا رہا ہے۔	(۴) کورسیز کو مرحلہ دار شروع کیا جائے جیسے بی اے، بی ائیڈ وغیرہ۔ کورسیز کی ترجیحات تیار کر لی جائیں۔

(۳) پروفیسر اسلام اصلاحی کے ذریعہ دئے گئے مشورے جو صفحہ نمبر ۶ اور ۷ پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
مستقبل میں لاہوری سائنس کورس شروع کرنے کے لئے حکومت سے گزارش کی جائے گی۔	(۱) مجوزہ کورسیز کے علاوہ لاہوری سائنس کے کورس کو بھی شامل کیا جائے تو بہتر ہوگا۔ یہ کورس مخطوطات کو محفوظ کرنے کے لئے اشد ضروری ہے۔ ہمارے جو مخطوطات ضالع ہو رہے ہیں اس کو محفوظ کرنے میں اس کورس سے مدد ملے گی۔
نوث کیا گیا۔ اس کے مطابق عمل کیا جا رہا ہے۔	(۲) دی جانے والی تعلیم کی کوالٹی پر دھیان دی جائے۔
نوث کیا گیا۔	(۳) اکیڈمک کاؤنسل کی مینگ جلدی جلدی بلائی جائے تاکہ نصاب کو جدید تر بنایا جاسکے۔
نومبر 2012 سے اکیڈمک سیشن شروع کرنے کی تجویز ہے۔	(۴) اکیڈمک سیشن جلدی شروع کیا جائے۔
نوث کیا گیا۔ اس سیشن سے اسے نافذ کرنے کی کوشش کی جائے گی۔	(۵) ٹرانسپلیر اور انٹر پریٹر کے کورس بہت مفید ہوتے ہیں انھیں ترجیحی طور پر شروع کیا جائے۔
نوث کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۶) عربی کے گرجویٹ کورس میں تیسرا سال میں جدید شاعروں اور مصنفوں جیسے خلیل جران اور نجیب محفوظ وغیرہ شامل کیا جانا چاہئے۔

(۴) پروفیسر شہزادی کے ذریعہ دئے گئے مشورے جو صفحہ نمبر ۷ پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
نوث کیا گیا۔ اس پر عمل کیا جائے گا۔	(۱) نصاب میں ہر زبان میں جدید ادب کو بھی شامل کیا جائے۔ اس سیاق میں کوکاتا یونیورسٹی کا اردو زبان کا نصاب بھی غور سے دیکھ لیا جائے۔

Alif

۱ / کریمہ /

کول سسی دی

خواجہ مسیح نور دین دیانتی

ستاد امراء فارسی دین دیانتی

2.3

اکیڈمک کاؤنسل کے معزز ممبران کے ذریعہ گئے مشوروں پر کی گئی کارروائی مندرجہ ذیل ہے:

(۱) پروفیسر محمد زاہد کے ذریعہ گئے مشورے جو صفحہ نمبر 6 پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
شکریہ۔	(۱) ممبران کے آمد و رفت اور ان کے قیام کے سلسلے میں واسائل کی کمی کے باوجود یونیورسٹی کے منتظمین نے جس خلوص اور محبت کے ساتھ کام کیا ہے اس کے لئے وہ اور واس چانسلر مبارک باد کے لائق ہیں۔
یوپی حکومت کے ذریعہ یوپی کی تمام یونیورسٹیز میں یکساں نصاب تعلیم لاگو کرنے کا فیصلہ لیا گیا ہے۔ اس لئے اس یونیورسٹی میں بھی یکساں نصاب تعلیم لاگو کرنے کا فیصلہ لیا گیا ہے۔ جو مضمایں یکساں نصاب تعلیم میں شامل نہیں ہیں ان مضمایں کے لئے دوسرا یونیورسٹیز کا نصاب تعلیم لاگو کیا جائے گا۔ ☆ اکیڈمک کاؤنسل نے یکساں نصاب تعلیم لاگو کرنے کی منظوری دی اور نصاب تعلیم میں دور حاضر کی ضرورتوں کو مدنظر رکھتے ہوئے ترمیم کی آزادی پر زور دیا۔	(۲) کچھ یونیورسٹیز کا سلیبس حاصل کیا گیا ہے۔ یہ کوشش کی جائے کہ ہندوستان کی دوسری بہت سی یونیورسٹیز کے نصاب بھی جائیں اور انھیں دیکھ کر واس چانسلر سب سے اتجھے نصاب کو اپنی سطح پر منتخب کر لیں اور منظوری دیں۔
حکومت نے فی الحال کمپیوٹر اپلیکیشن، ماس کیومنی کیشن ایڈٹ جرنلزم اور بی ایڈ کے کورسیز کی منظوری دے دی ہے۔ یونانی اور آیورویدک طریقہ علاج کے کورس چلانے کے لئے حکومت سے منظوری کی گزارش کی جا رہی ہے۔	(۳) نصاب جدید ترین ہونا چاہئے اور ان کو رسیز کو ترجیح دی جائے جن سے فارغ ہو کر طلباء اور طالبات با روزگار ہو سکیں۔ اس سیاق میں کمپیوٹر، ماس کیومنی کیشن، یونانی اور آیورویدک طریقہ علاج وغیرہ کو ترجیح دی جانی چاہئے۔
نوٹ کیا گیا۔ اس سیشن سے اسے نافذ کرنے کی تجویز ہے۔	(۴) یہ اچھا خیال ہے کہ ہندوستانی زبانوں کا تقابی مطالعہ ذگری کورس کی شکل میں پڑھانے کا ارادہ ہے۔ اردو والوں کو ہندوستان اور باہر کی زبانوں سے روشناس کرانا اچھا ہوگا۔
مشورے پر عمل کیا جائے گا۔	(۵) نصاب کے سلسلے میں یونیورسٹی گرانٹ کمیشن کی ہدایت اور کریکولم ڈیلپمٹ رپورٹ کو بھی مدنظر رکھا جائے۔

(۲) پروفیسر محمد مزلی کے ذریعہ گئے مشورے جو صفحہ نمبر 6 پر ہیں -

کارروائی	مشورہ
یوپی حکومت کے ذریعہ یوپی کی تمام یونیورسٹیز میں یکساں نصاب تعلیم لاگو کرنے کا فیصلہ لیا گیا ہے۔ جو مضمایں یکساں نصاب تعلیم میں شامل نہیں ہیں ان مضمایں کے لئے لکھنؤ یونیورسٹی اور دوسری یونیورسٹیز کا نصاب تعلیم حسب ضرورت لاگو کیا جائے گا۔	(۱) میرے خیال میں جو نصاب رکھا گیا ہے، وہ کافی اچھا ہے۔ اب تک مضایں کا نصاب ہم لکھنؤ یونیورسٹی سے حاصل کر کے مہیا کرا دیں گے۔

✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓

مکمل
کارروائی
کمیٹی
رکھنے والے
مکالمہ
کارروائی
کمیٹی
رکھنے والے
مکالمہ

رکھنے والے
مکالمہ
کارروائی
کمیٹی
رکھنے والے
مکالمہ

<p>2- یکوشش کی جائے کہ غیر سانی کو رسیز جیسے بی کام، ایم بی اے، ماس کمپونی کیشن، صحافت اور قانون وغیرہ میں بھی طلب علم کی پسند کے مطابق اردو، عربی یا فارسی کی تعلیم لازمی مضمون کے طور پر دی جائے۔ اسی طرح داخلے کے وقت ہائی اسکول کی سطح کی اردو، عربی یا فارسی کی عملی طور پر لیافت ضروری قرار دی جائے۔</p> <p>☆ اکیڈمک کاؤنسل نے بھی منظوری دی۔</p>	<p>اگریز یکیو ٹیو کاؤنسل کی پہلی میننگ تاریخ 19.08.2010 اور دوسری میننگ 21.09.2012 میں فیصلہ لیا جا چکا ہے کہ یونیورسٹی میں داخلے کے وقت طلباء کو اردو، عربی یا فارسی کی عملی جائزگاری ہونا ضروری ہے اور ساتھ ہی جس کورس میں داخلہ لینا چاہتے ہیں اس کے ساتھ بھی اردو، عربی یا فارسی کا ایک پرچہ پاس کرنا ضروری ہو گا جس کے مارکس نتیجہ میں جوڑے جائیں گے۔</p>
<p>3- مندرجہ بالا کو رسیز کے لئے مضامین کی نوعیت کو دھیان میں رکھتے ہوئے نصاب حاصل کیا گیا ہے جس پر منظوری دی گئی ہے۔ جن کو رسیز کے نصاب ابھی حاصل نہیں ہوئے ہیں یا جن کو رسیز کے سلسلے میں ممبران کی رائے کو مد نظر رکھتے ہوئے ترمیم کرنے کی ضرورت ہے ان پر آگے کی کارروائی کرنے کے لئے واہس چانسلر کو اختیار دیا گیا۔</p> <p>☆ اکیڈمک کاؤنسل نے منظوری دی اور نصاب تعلیم میں دور حاضر کی ضرورتوں کو مد نظر رکھتے ہوئے ترمیم کی آزادی پر زور دیا۔</p>	<p>یوپی حکومت کے ذریعہ لئے گئے فیصلوں کے مطابق یوپی کی تمام یونیورسٹیز میں یکساں نصاب تعلیم لاگو کرنے کا فیصلہ لیا گیا ہے۔ اگریز یکیو ٹیو کاؤنسل نے تاریخ 21.09.2012 کی دوسری میننگ میں فیصلہ کیا ہے کہ جہاں تک ممکن ہو اس یونیورسٹی میں بھی یکساں نصاب تعلیم لاگو کئے جائیں لیکن یونیورسٹی کی مخصوص ضرورتوں کو دھیان میں رکھتے ہوئے کورس میں ترمیم بھی کی جائے۔</p>
<p>4- اس درمیان حکومت اتر پردیش نے صوبائی یونیورسٹی کے لئے کئی مضامین میں کم ترین مشترک نصاب نافذ کرنے کی تجویز بھی منظور کی ہے۔ حکومت اتر پردیش کا فیصلہ آجائے پر اکیڈمک کاؤنسل کو مناسب موقع پر مطلع کیا جائے۔</p>	
<p>5- جہاں تک داخلے اور امتحان کے ضابطوں کا تعلق ہے، فی الحال لکھنؤ یونیورسٹی میں نافذ داخلے اور امتحان کے ضابطوں کو اس یونیورسٹی میں بھی نافذ کیا جائے۔</p> <p>☆ اکیڈمک کاؤنسل کو مطلع کیا گیا۔</p>	
<p>6- جہاں تک ممکن ہو سیمیٹر سسٹم کے ذریعہ تعلیم دی جائے۔</p> <p>تغییی سال شروع ہونے پر سیمیٹر سسٹم لاگو کیا جائے گا۔ اگریز یکیو ٹیو کاؤنسل کی دوسری میننگ مورخ 21 ستمبر 2012 میں بھی فیصلہ لیا گیا ہے۔</p> <p>☆ اکیڈمک کاؤنسل نے بھی منظوری دی۔</p>	
<p>7- جہاں تک ممکن ہو ایسے کو رسیز کو ترجیح دی جائے جن سے فارغ ہو کر طلباء اور طالبات معاشری طور پر خود کفیل ہو سکیں۔</p> <p>بی اینڈ ماس کمپنیکشن اینڈ جر نلزم، تیکل ان کمپنیز اپلیکیشن اور کامرس وغیرہ کو رسیز اسی سال سے پڑھائے جانے کی تجویز ہے۔ ان کو رسیز کے طلباء کی مانگ بڑھی ہوئی ہے۔ آگے بھی اس سفارش کے مطابق کارروائی کی جائے گی۔</p> <p>☆ اکیڈمک کاؤنسل نے بھی منظوری دی۔</p>	

مفت
مفت

امرا کرمان
کوئٹہ سیمیٹر

کوئٹہ سیمیٹر
کوئٹہ سیمیٹر
کوئٹہ سیمیٹر
کوئٹہ سیمیٹر

تاریخ 28.07.2011 کو اکیڈمک کاؤنسل کی پہلی میٹنگ میں لئے گئے فیصلوں پر کی گئی کارروائی:

فیصلہ	کارروائی
1- وائس چانسلر نے اپنے خط مورخہ 5 جنوری 2011 میں مکملہ اعلیٰ تعلیم، حکومت یوپی، سلطنت کی تھی کافی الحال مندرجہ ذیل 13 ڈیپارٹمنٹ شروع کرنے کے لئے تقریباً 205 لکھ ر، ریڈر اور پروفیسر کے عہدے منظور کئے جائیں۔ اسی کے مطابق اکیڈمک کاؤنسل تجویز کرتی ہے کہ مندرجہ ذیل 3 ڈیپارٹمنٹ شروع کرنے کے لئے حکومت اتر پردیش کے ذریعہ 205 لکھ ر، ریڈر اور پروفیسر کے عہدے منظور کئے جائیں:	1477/سلطنت-4-2012-3/خط نمبر (47) 2012/تاریخ 24 اگست 2012 کے ذریعہ اساتذہ کی 174 اسامیاں منظور کی گئی ہیں، جن میں اردو، عربی اور فارسی، ہندی، انگریزی، ہوم سائنس، جغرافیہ، سیاسیات، معاشریات، تاریخ، فزیکل ایجوکیشن، کامرس، ماں کیونی کیشن اینڈ جرنلزم اور کمپیوٹر اپلیکیشن میں ڈگری کورسیز کے علاوہ بی ایڈ اور ایم بی اے کے لئے عہدے منظور کئے گئے ہیں۔ (حکم نامہ میں ایم بی اے کی جگہ ایم اے ٹاپ ہو گیا ہے جس میں ترمیم کرائی جا رہی ہے۔)
2. بی کام	3. بیکاران کمپیوٹر اپلیکیشن (بی اے)
4. قانون (تین سال اور پانچ سال)	5. بی ایڈ
6. مختلف ہندوستانی زبانوں کا تقاضی مطالعہ (تین سالہ کورس جس میں اردو، عربی، فارسی، کشمیری، بختیاری، سندھی، ہندی، سنکریت، ملیالم، بنگالی، مرathi اور تمل شامل ہیں)	7. اردو، فارسی اور عربی میں انٹر پریٹ اور مترجم کے دوسالہ ڈپلومہ کورس ایم بی اے۔
☆ مختلف ہندوستانی زبانوں کا تقاضی مطالعہ، اردو، عربی اور فارسی میں انٹر پریٹ اور رہاسلیہ وغیرہ کے کورس چلانے پر جلدی کارروائی کی جائے گی اور حسب ضرورت حکومت یونیورسٹی سے مزید عہدوں کی منظوری کے لئے گزارش کی جائے گی۔	8. ایم بی اے۔
☆ باقی کورسیز جیسے آئیورودیناکی، وکیشنل ٹریننگ اینڈ ریسرچ، قانون (3 سالہ کورس)، سیاحت اور بائپلینٹی، فاصلاتی ایجوکیشن اور ای لرنگ اور مختلف ہندوستانی زبانوں کا تقاضی مطالعہ وغیرہ کے لئے حکومت سے مزید عہدوں کی منظوری کے لئے گزارش کی جارتی ہے۔	9. ماں کیونکیشن اور صحت
	10. ٹورزم اور ہاسپیٹ الٹی
	11. یونانی اور آیورودیناکی میں ڈگری
	12. فاصلاتی تعلیم اور ای-لرنگ کا ڈیپارٹمنٹ
	13. پیشہوارانہ ٹریننگ اور ریسرچ ڈیپارٹمنٹ

2.1 تاریخ 28 جولائی 2011 کو اکٹر رام منوہر لوہیا نیشنل لاء پیورسٹی، لکھنؤ کے مینگ ہال میں ہوئی اکیڈمیک کاؤنسل کی پہلی مینگ میں
لنے گئے فیصلے کی تصدیق:

☆ موخر 28 جولائی 2011 کی پہلی مینگ کی کارروائی کی معزز بہانے نے تصدیق کی۔ اس کے علاوہ بہانے نے شکریہ ادا کیا
کہ پچھلی کارروائی بہت اچھی طرح درج کی گئی ہے۔

Mufit

✓

اللہور امارات
کوکل سسیو
خواجہ مسیح نور دین دیشتنی^{دیشتنی}
کوکل سسیو
آرڈی-فارسی ویژو ولیع الدین، لکھنؤ

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ کی اکیڈمک کاؤنسل (ائے.سی.) کی دوسری میلنگ، مورخہ 17 راکتوبر 2012 کو ڈاکٹر رام منوہر لوہیالا یونیورسٹی، لکھنؤ میں 11 بجے دن، واوس چانسلر کی صدارت میں منعقد ہوئی۔ میلنگ میں شامل ہونے والے معزز

مبران کی فہرست مرتبہ ذیل ہے:

-1	ڈاکٹر انیس انصاری	واس چانسلر، خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ	صدر
-2	پروفیسر اسلام اصلاحی	صدر، شعبۂ عربی، جواہر لال نہر و یونیورسٹی، نئی دہلی	مبر
-3	پروفیسر غفار صدیقی	صدر، شعبۂ فارسی، پٹنہ یونیورسٹی، پٹنہ	مبر
-4	پروفیسر عبدالسمع اللہ	صدر، شعبۂ ہندی، جامعہ ملیہ اسلامیہ، نئی دہلی	مبر
-5	پروفیسر رینو بھاردادوچ	ڈاکٹر کیٹر، کپریٹو ٹیکچر، اندر اگاندھی نیشنل اوپن یونیورسٹی، نئی دہلی	مبر
-6	پروفیسر اے۔ کے۔ بگھ	ڈاکٹر کیٹر، گری انٹھی ٹیوٹ آف ڈیولپمنٹ اسٹڈیز، لکھنؤ	مبر
-7	پروفیسر انیس احمد انصاری	شعبۂ علم الادویہ، اجمل خان طبیبہ کالج، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی، علی گڑھ	مبر
-8	جناب اشوک کمار	رجڑار، خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ	مبر سکریٹری
-9	جناب ایس بی سنگل	فائننس آفیسر، خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ	-
-10	ڈاکٹر جی. آر. یادو	او. ایس. ڈی.، خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ	-

واس چانسلر، خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ نے تمام اکیڈمک کاؤنسل کے معزز ممبران کا استقبال کیا اور یونیورسٹی کے ترقیاتی کاموں سے باخبر کیا اور معزز ممبران نے یونیورسٹی کے تعمیری کاموں کا معاہدہ کیا اور اس کی تعریف کی۔

Mofeed

✓

ر. سمیوں رکھنا /

کوکل سادھی

ख्याजा मुइनुद्दीन चिन्ह

उद्दीپन - فارسی

.....

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ

اکیڈمک کاؤنسل کی دوسری میٹنگ، مورخہ 17 راکٹوبر 2012 کی کارروائی

نمبر شمار	اصنوفہ	ایجنڈا پوائنٹ	صغیر نمبر
1		میٹنگ میں شامل ہونے والے معزز زمہران کی فہرست	3
2.1		28 جولائی 2011 کو ڈاکٹر رام منوہر بھیانی شل لاء یونیورسٹی، لکھنؤ کے میٹنگ ہال میں ہوئی اکیڈمیک کاؤنسل کی پہلی میٹنگ میں لئے گئے فیصلوں کی تصدیق	4
2.2		تاریخ 28.07.2011 کو اکیڈمک کاؤنسل کی پہلی میٹنگ میں لئے گئے فیصلوں پر کی گئی کارروائی	5
2.3		اکیڈمک کاؤنسل کے معزز زمہران کے ذریعہ دئے گئے مشوروں پر کی گئی کارروائی	7
2.4		اترپرداش حکومت کے ذریعہ یوپی کی سبھی یونیورسٹیوں کے لیے یکساں طے شدہ نصاب تعلیم کو لاگو کرنے کے متعلق منظوری	11
2.5		تعلیمی سال 2012-13 شروع کئے جانے کے متعلق منظوری	12
2.6		یونیورسٹی ایکٹ 1973 کے مطابق صدر شعبہ کو محبر کی حیثیت سے نامزد کیا جانا	13
2.7		ایم بی اے میں یونیورسٹی کے ذریعہ منعقد ٹیکٹ کی بنیاد پر داخلہ کرنا	14
2.8		ڈگری سطح کی پڑھائی کے وقت اردو، عربی یا فارسی میں سے کسی ایک زبان کو پڑھانا لازمی کرنے کی تجویز	15
2.9		تدریسی و غیر تدریسی عملی میں اردو، عربی یا فارسی اور کمپیوٹر کی عملی جانبکاری رکھنے والے امیدواروں کو ترجیح دینا اور تعلیم و امتحان کے وسیلے کے متعلق تجویزیں۔	16
2.10		حکومت کے ذریعہ تدریسی و غیر تدریسی اسامیوں کی بھرتی کے متعلق اطلاع اور اساتذہ کے عہدوں کے انتخابی عمل کی تفصیل	17
2.11		یونیورسٹی کا نام تبدیل کرنے کے متعلق اطلاع	18
2.12		ایگزیکیوٹیو کاؤنسل کی دوسری میٹنگ مورخہ 21 ستمبر 2012 میں لئے گئے درج ذیل فیصلوں سے اکیڈمک کاؤنسل کو مطلع کرنا	19
2.13		دیگر نکات صدر محترم کی اجازت سے	20

مفت

کریم احمد
کوئل سسی یونیورسٹی
خواجہ مسیح نور الدین یونیورسٹی
उद्दیشیہ
اردو-فارسی ویسیویتیا لیکس، لکھنؤ

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ

خواجہ مسیح نعیم الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ

اکیڈمک کاؤنسل کی دوسری میٹنگ کی کارروائی

مورخہ 17 اکتوبر 2012

وقت: 11 ربجے دن

مقام: (میٹنگ ہال) ڈاکٹر رام منوہر لوہیانیشنل لاء یونیورسٹی، لکھنؤ

خواجہ معین الدین چشتی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ

سیتاپور - ہردوئی روڈ بائی پاس، لکھنؤ 226020